भारतीय सीमेंट निगम को हो रहे घाटे

1891. **श्री सुनील बसु राय** : क्या **उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारतीय सीमेंट निगम को घाटा हो रहा है ;

(ख) यदि हां, तो उसका पिछले तीन वर्षों का ब्यौरा क्या है और घाटा होने के क्या कारण हैं ; और

(ग) घाटा कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाये गये है अथवा उठाये जाने का विचार है ?

उद्योग मंत्री (श्री जे. वेंगल राव) : (क) जी, हां।

(ख) पिछले तीन वर्ष के दौरान सी. सी० आई० द्वारा उठाया गया घाटा निम्न प्रकार है :—

वर्ष	घाटा (करोड़ रुपये में)	
1985-86	12.36	
1986-87	21.02	
1987-88	47.00	(अनन्तिम)

हानि के मुख्य कारण ये हैं--अन्तर्वस्तुओं की लागत में वृद्धि के कारण उत्पादन लागत बढ़ जाना, चूना पत्थर पर कर व रायल्टी में वृद्धि, बार-बार की लोड शेडिंग से उत्पादन में कमी होना आदि।

(ग) सी० सी० आई० ने कम्पनी द्वारा उठाए जा रहे घाटे को कम करने के लिए कई कदम उठाए है। इनमे उन क्षेत्रों का पता लगाकर जहां प्रमुख अन्तर्वस्तुओं जैसे बिजली और कोयले की खपत में कमी संभव हो, उत्पादकता में सुधार करना, डी० जी० सैटो की अधिष्ठापन प्रि-केलसिनेटर/अनुषंगी अग्नि प्रणालियों की अधिष्ठापना के रख-रखाव के उपायों में वृद्धि तथा संयंत्रों के आधुनिकीकरण आदि शामिल हैं।

Forest-based and mineral-based industries in Orissa

1892. SHRI BAIKUNTHA NATH SAHU: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether there is a great scope for setting up forest-based and mineral-based Industry in Keonjher, Mayurbhanj and Sundargarh districts of Orissa; and

(b) if so, the steps taken so far in the seventh Five Year Plan period to set up such industry in these districts of Orissa?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): (a) There is scope for setting up industries in these districts based on available forest and mineral resources.

(b) An outlay of Rs. 120 Crores has been made in seventh Five Year Plan of Orissa State for Large and Medium, Village and small scale industries. It is for the State Government to formulate scheme for industrialisation of various districts including these three districts within the approved outlay.

Keonjher, Mayurbhanj and Sundergarh districts of Orissa are covered under centrally sponsored programme of District Industry Centres. These DICs have prepared detailed action plans of the respective districts identifying scope for establishment of new industries in the district; based on skill, demand and resources available in the district. In addition, several Letters of Intent and Industrial Licences have been issued for setting up industries in these districts. A mini paper plant based on sabai grass has also been set up in Jharia in Mayurbhanj district.

Steps to increase the production of newsprint

1893. SHRI JAGADISH JANI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there is a severe scarcity of newsprints in the country;